मूल्य – 5 रु.

तारांशु

मासिक

स्वस्थ आँखे,
उज्जवल भविष्य

सितम्बर – अक्टूबर 2024
वर्ष 10, अंक 9, पृ.सं. 20

सपने देखने की एक साकार कोशिश ‘‘**रोशनी**’’

''आनन्द वृद्धाश्रमों हेतु भविष्य निधि योजना''

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी ''शांति''
रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी ''शक्ति''
रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी ''आस्था''
रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन
4000 रु. (एक समय / प्रतियूनिट)

काशी में कराएँ गरीबों को भोजन

संस्थान द्वारा गरीबों में भोजन वितरण करते हुए

कहते हैं कि भूखे को भोजन करवाकर न सिर्फ मन वरन् अंतरात्मा भी संतृप्त होती है। आप भी **रु. 2100/- दान देकर** 50 निर्धन लोगों की क्षुधा शांत कर काशी विश्वनाथ की धरा वाराणसी में पुण्य लाभ कमा सकते हैं।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

''तारा संस्थान, उदयपुर'' राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक : 31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009 द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद :
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार :
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
परम विशिष्ट संरक्षक, तारा संस्थान
शिक्षाविद् व समाजसेवी, दिल्ली

संरक्षक मण्डल :

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
दिल्ली

श्रीमती लता - श्री लक्ष्मण दास भाटिया
मुम्बई

श्री ओ.सी. जैन
रतलाम (म.प्र.)

श्री एस.एन. गोयल
दिल्ली

श्री प्रेम सागर गुप्ता
मुम्बई

श्रीमती राजरानी - (स्व.) श्री राजेन्द्र कुमार जैन
दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक :
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक :
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक :
बरखा सेन

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर :
गौरव अग्रवाल

तारांशु - वर्ष 10, अंक - 9, सितम्बर - अक्टूबर 2024

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
योजनाएँ	02
अनुक्रमणिका	03
लेख - 1: एक माँ की आस	04
लेख - 2 : एक रिश्ता माँ और बेटे का	05
एक नयी उम्मीद की किरण - ''तारा संस्थान''	06
दृष्टि की नयी राह - तारा नेत्रालय	07
शिक्षा - एक मौलिक अधिकार	08
कुछ नए सदस्यों की कहानी उन्ही की जुबानी	09
''मस्ती की पाठशाला'' - एक अनूठा प्रयास	10
एक पहल - नारी सशक्तिकरण की ओर (गौरी योजना)	11
न्यूज़ इन ब्रीफ	12 - 14
नेत्रालय मासिक अपडेट्स / पुण्यतिथि भोजन सेवा योजना / हार्दिक श्रद्धांजलि	15
अभिनन्दन	16 -18
संपर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य माता पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में।

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

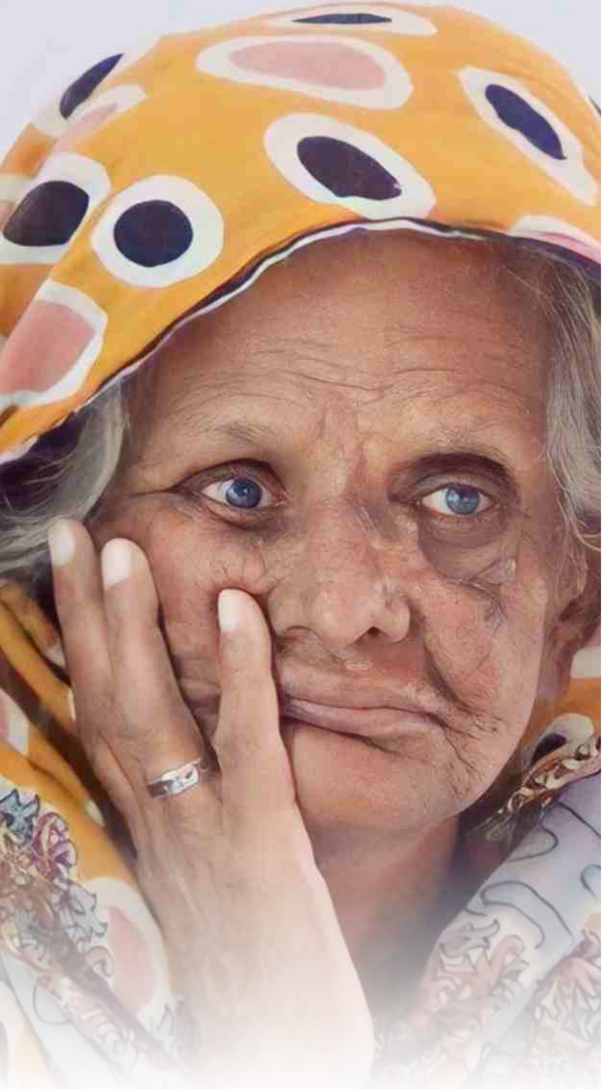

एक माँ की आस...

आज से कोई 6–साढ़े 6 साल पहले मेरे पास एक युवक आया कि मैं यहाँ तारा नेत्रालय में आँख दिखाने आया हूँ और मुझे पता चला कि आप वृद्धाश्रम चला रहे हो तो हमारे मोहल्ले में एक बुजुर्ग महिला है जिनका कोई नहीं है तो आप उन्हें रखेंगे क्या? मैंने सहमति दी और जैसा कि अमूमन होता है उन बुजुर्ग महिला से मिली.... एकदम झुकी हुई कमर, सांवले चेहरे पर ढेर सारी झुर्रियां सफेद बाल, हाँ बिलकुल वैसी की जैसे आम बुजुर्ग होते हैं, लेकिन एक बात ''बशीरन बाई'' में विशेष थी आँखों में चमक। हाँ वो विशेष चमक थी जैसी बच्चों में होती है।

बशीरन बाई हमारे परिवार का हिस्सा बन गईं। थोड़े समय में बशीरन बाई के बारे में जानकारी मिली कि वो अपनी बेटी ''आमना'' और उसके परिवार के साथ रहती थी। आस–पास के घरों में काम करती थी लेकिन एक दिन आमना अपने परिवार के साथ बशीरन बाई को छोड़कर चली गई, कहाँ गई किसी को पता नहीं। बशीरन बाई ने एक दो दिन इंतजार किया, फिर वो घर से बाहर बेटी को ढूँढ़ने निकली। बेटी तो थी ही नहीं उनका भतीजा उनसे मिला और वो ही आनन्द वृद्धाश्रम में छोड़ने आया था लेकिन हमें नहीं बताया कि उनका भतीजा है।

बशीरन बाई अपने नए घर में रहने लगी लेकिन उन्हें ज्यादा समझ नहीं आ रहा था कि वो यहाँ क्यों हैं वैसे वो मानसिक तौर सही थीं, लेकिन उम्र थोड़े होश कम कर देती है। उन्हें लगता था कि वे किसी अस्पताल में है और इलाज के बाद बेटी उन्हें ले जाएगी। बेटी और उसके बच्चों के लिए प्यार इतना कि यहाँ जो भी फल मिले या कोई भी अच्छी चीज मिले बचा लेती थी। ईद पर एक बार उनके लिए नये कपड़े बनवाए, थोड़े दिन बाद देखा के पहन नहीं रहीं पूछा तो उनके साथ वालों ने बताया कि आमना को देगी। फल वगैरह एक सफाई वाले दिनेश को देती कि आमना के बच्चों तक पहुँचा देना।

कभी–कभी बेटी की याद में ज्यादा भावुक हो जाती तो उन्हें दिलासा देने के लिए उनके मोहल्ले तक ले जाते ताकि मोहल्लेवालों के बीच जाकर अच्छा लगे और वो ठीक हो जाती। मैं जब भी लंच के लिए जाती वो मुझसे इतनी गर्मजोशी से मिलती कि मानो कोई बहुत अपना है उनसे मिलकर मुझे ये यकीन हो गया कि उम्र इन्सान की जिंदादिली कभी कम नहीं कर सकती है। आवाज उनकी इतनी बुलंद थी कि कभी किसी से लड़ाई करती तो तीन मंजिल नीचे हमें भी सुनाई देती।

एक बार अपनी बेटी के लिए बहुत रो रही थी और रोते हुए कह रही थी कि मेरी बेटी मेरी वृद्धावस्था पेंशन की डायरी (पासबुक) ले गई और मेरी पायजेब भी ले गई। मुझे लगता है वो उन चीजों के लिए प्रेम कम और बेटी के लिए आक्रोश ज्यादा था। हम बेटी तो नहीं ला सकते थे लेकिन एक नकली पासबुक में एंट्री कर कुछ पैसे और एक पायजेब उन्हें दी कि थोड़ी तसल्ली आए।

कुछ लोग कितने अपने हो जाते हैं हमें भी नहीं पता होता है, मुझे जो कारण समझ आता है कि यदि निश्छल प्रेम हो तो बिना किसी रिश्ते के कोई भी अपना हो जाता है और इस प्रेम को जताने की जरूरत भी नहीं होती है। अपने आप पता चल जाता है, बशीरन बाई के प्रेम के तोहफों के रूप में मुझे भी कभी–कभी उनको मिले फल मिल जाते थे, जो वो सबसे छुपा कर देती थी।

कुछ दिनों पहले उनकी तबियत खराब हुई इतने सारे बुजुर्गों के बीच रहते हमें अब थोड़ा सा पता चल जाता है कि किसी का अंतिम समय आ गया है। बीमारी में बेटी की याद और ज्यादा परेशान उन्हें करती तो हमारे यहाँ कि कुछ लड़कियाँ कहती कि हम आमना है लेकिन....

वो फिर ठीक हो गई उसी गर्मजोशी से हमसे मिली तो दीपेश जी ने उनसे मजाक में कहा ''कब्रिस्तान जाते जाते बच गए आप''। अभी कुछ दिन पहले फोन आया कि बशीरन बाई नहीं रहीं।

मुझे नहीं पता कि बशीरन बाई जो 6 –साढ़े 6 साल हमारे साथ रही उन्हें क्या लगा कि ''आनन्द वृद्धाश्रम'' उनका घर है या वो ये समझती रही कि वो अस्पताल में हैं पर आमना का इंतजार हमेशा उन्हें था। एक तड़प थी जिसको लेकर वो चली गई। उनकी बेटी उनसे लड़कर चली जाती तो भी शायद अच्छा होता लेकिन बिना बताए ऐसे जाना माँ के लिए कितना दुःखद हो सकता है, इसका कोई अंदाजा नहीं लगा सकता हैं। बशीरन बाई की आमना के लिए जो तड़प थी, आमना कभी समझ पाएँगी या नहीं, पता नहीं, पर माँ का दिल हमेशा बच्चों के लिए होता है। बशीरन बाई एक अधूरी आस लिए चली गई इसका दुःख मुझे हमेशा रहेगा।

ईश्वर उनकी आत्मा को शांति देगा, ऐसा विश्वास है।

– कल्पना गोयल

एक रिश्ता – माँ और बेटे का

नमस्कार !

मैं दीपेश मित्तल, आज आप सभी का स्वागत करता हूँ। वो कहते हैं न की जीवन में कुछ लोग ऐसे मिल जाते हैं जिनकी यादें हमारे दिल पर एक गहरी छाप छोड़ जाती हैं। ऐसा ही कुछ वाकिया हमारे वृद्धाश्रम में हुआ।

बात कुछ 7– 8 साल पहले की है। हमारे आश्रम में एक बुजुर्ग महिला अपने बेटे के साथ आयी थी। उनका नाम विमला मेहरा तथा उनके बेटे का नाम अनिल मेहरा था। अनिल जी अपनी माँ से बहुत प्यार करते थे, जो की लाज़मी है। पर आजकल के ज़माने में देखने को बहुत ही कम मिलता है। अनिल जी अपनी माँ को वृद्धाश्रम छोड़ने आये थे ताकि उनकी देखभाल बिना किसी परेशानी के आराम से हो सके। पर एक बेटे का अपनी माँ से अलग रहना, ये विचार ही मन को झकझोर देता है।

अनिल जी ने अपनी मनोस्थिति समझते हुए अपनी माँ के साथ वृद्धाश्रम में ही रहने का फैसला कर लिया। यहाँ का माहौल उनके मन में के परिवार कमी पूरी करने वाला था। बात करें विमला जी की तो वो एक पंजाबी फॅमिली से बिलोंग करती थी और एक पक्की पंजाबन थी। उनके आज के स्वभाव को देखते हुए ये कल्पना आराम से की जा सकती है की वे अपने ज़माने में कैसी रही होंगी।

हर कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना, पैसों की बचत करना तथा अपने साथ साथ सभी का मनोबल बनाये रखना, ये थी उनकी खास पहचान। आश्रम में उनका अपना एक अलग ही वर्चस्व था। वे सभी का ध्यान भी रखती थी और किसी के कुछ गलत करने पर उन्हें डांट भी लगाती थी। यहां तक की हॉल में उनके बैठने की जगह तथा खाना खाने की टेबल पर बैठने की एक जगह फिक्स थी। मज़ाल है की उनके रहते उनकी सीट पर कोई और बैठ जाये। सभी उनके स्वभाव को धीरे धीरे सभी समझने लगे थे तथा इसी तरह हसी ठिठोली से जीवन गुज़र रहा था।

पर वो कहते है न की जो समय को मंजूर है वही होगा। अनिल जी को कुछ कारणवश अपने होमटाउन जाना पड़ा। वह जाकर उन्हें पता चला की उन्हें गले का कैंसर है, जिस कारण उनकी तबियत ज्यादा बिगड़ने लगी थी। एक दिन अचानक खबर आयी की अनिल जी अब नहीं रहे। मैं स्तब्ध सा रह गया। मुझे ये बिलकुल भी समझ नहीं आ रहा था, एक माँ को ये खबर देना की अब उसका बेटा नहीं रहा, ये में कैसे कर पाउँगा? मेरी हिम्मत न हुई। काफी समय तक विमला जी को ये खबर नहीं दी गयी की अब उनका बेटा लौट के कभी नहीं आएगा। उनके पूछने पर सब यही कहतें थे की जल्द ही अनिल जी उनसे मिलने आएंगे।

एक माँ से ये बात छुपाकर रखना, की अब उनका बेटा नहीं रहा, मेरे ज़मीर को गवारा न हुआ। कुछ समय बाद मैंने हिम्मत जुटाकर उन्हें सब सच बता दिया। विमला जी को इस बात का बड़ा दुःख हुआ पर जैसे तैसे उन्होंने अपने आप को संभाला। उनकी एक ही सोच थी की जब भगवान का बुलावा आएगा तब एक दिन सभी को जाना पड़ेगा।

वह अपना सारा काम खुद ही करना पसंद करती थी। यहां तक की लिफ्ट के होते हुए भी उन्होंने कभी भी उसका इस्तेमाल नहीं किया। ये बात दो साल पहले की है। एक दिन वे अपने ही किसी काम से जा रही थी और अचानक से उनका पैर फिसल गया। सीढ़ियों से गिरने के कारण उन्हें सर पे काफी गहरी चोट लगी और उनका निधन हो गया। इस घटना से पूरे आश्रम में सन्नाटा सा फ़ैल गया।

विमला जी एक ज़िंदा दिल इंसान थी। उनके चले जाने से दिल में एक जगह खाली सी रह गयी है जिसे भरना अब मुश्किल होगा। पर उनकी यादें हमेशा हमारे साथ रहेंगी।

– दीपेश मित्तल

''एक नयी उम्मीद की किरण – तारा संस्थान''

आज के इस भागदौड़ भरे जीवन में, जब लोग अपने ही परिवार और समाज से दूरी बनाने लगे हैं, ऐसे में तारा संस्थान एक ऐसी उम्मीद बनकर सामने आया है जो समाज के सबसे कमजोर वर्ग के लिए सहारा बन रहा है। यह संस्थान न केवल वृद्धाश्रम, विधवा महिलाओं के बच्चों को मुफ्त शिक्षा और गरीबों को मासिक राशन जैसी सुविधाएँ प्रदान कर रहा है, बल्कि यह एक आस्था है, एक संजीवनी है जो जरूरतमंदों के जीवन में एक नई रोशनी और दिशा भर रही है।

हमारे समाज में वृद्धों को अक्सर अकेलेपन और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। उनके लिए उनका परिवार ही सबसे बड़ा सहारा होता है, लेकिन समय की चाल और कुछ बदलती परिस्थितियाँ उन्हें अकेला कर देती हैं। ऐसे में तारा संस्थान ने वृद्धाश्रम की स्थापना की है, जहाँ बुजुर्गों को न केवल शारीरिक देखभाल मिलती है, बल्कि उनके दिलों में सुकून और सम्मान भी बहाल होता है। यहाँ वे सम्मान के साथ अपना समय बिता सकते हैं, और उनके मन में यह विश्वास जगाया जाता है कि वे अब भी समाज का अहम हिस्सा हैं।

विधवा महिलाएं जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करती हैं। उनके पास न केवल आर्थिक संसाधन कम होते हैं, बल्कि उनके बच्चों को एक बेहतर भविष्य देने के लिए संघर्ष भी करना पड़ता है। तारा संस्थान इन महिलाओं के बच्चों को न केवल मुफ्त शिक्षा प्रदान करता है, बल्कि उन्हें बेहतर अवसर भी देता है, ताकि वे अपने जीवन को सही दिशा में ढाल सकें। संस्थान का मानना है कि हर बच्चे के पास सपना देखने का अधिकार है, और वह सपना कभी भी किसी भी हालात में अधूरा नहीं होना चाहिए।

हमारे समाज में कुछ ऐसे लोग भी हैं, जो हर दिन केवल पेट भरने के लिए संघर्ष करते हैं। तारा संस्थान ने ऐसे परिवारों के लिए मासिक राशन की व्यवस्था की है, ताकि वे अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी कर सकें।भूख की स्थिति में व्यक्ति अपनी गरिमा और सम्मान खो देता है। तारा संस्थान ने ऐसे परिवारों के लिए मासिक राशन का इंतजाम किया है, ताकि वे अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी कर सकें। राशन की यह मदद न केवल उनके पेट की आग बुझाती है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बल देती है।

तारा संस्थान की यह पहल समाज के लिए एक आदर्श है। यह हमें यह सिखाता है कि मानवता सबसे ऊपर है और एक छोटे से कदम से हम किसी के जीवन को बदल सकते हैं। इस संस्था के प्रयासों से यह साबित होता है कि अगर हम सच्चे दिल से किसी की मदद करें, तो जीवन में हर किसी के लिए खुशियाँ और उम्मीद का एक नया रास्ता बन सकता है।

तारा संस्थान केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक उम्मीद की किरण है जो अंधेरे में भी रोशनी का रास्ता दिखाती है। नेत्रहीनता के कारण दुनियाभर में लाखों लोग अपनी आँखों की रोशनी खो बैठते हैं, जिनमें से अधिकांश का मुख्य कारण मोतियाबिंद है। मोतियाबिंद एक ऐसी स्थिति है, जिसमें आँख के लेंस में धुंधलापन आ जाता है और आँख से देखना कठिन हो जाता है। यह समस्या विशेष रूप से बुजुर्गों में अधिक होती है, लेकिन आजकल यह कम उम्र के बच्चों तथा महिलाओं में भी विशेष रूप से पायी जाती है।

इस समस्या से पीड़ित लोगों के लिए तारा संस्थान एक बहुत ही महत्वपूर्ण संस्था बनकर उभरी है। तारा संस्थान एक गैर–लाभकारी संगठन है, जो समाज के गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए आँखों की देखभाल और चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है। तारा नेत्रालय, जो तारा संस्थान द्वारा संचालित है, में मोतियाबिंद का ऑपरेशन और अन्य आँखों से जुड़ी चिकित्सा सेवाएं बिल्कुल निःशुल्क प्रदान की जाती हैं।

तारा नेत्रालय में मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए आधुनिकतम तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। यहां पर मरीज़ों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उचित परामर्श और इलाज मिलता है। संस्था के अस्पतालों में मरीजों की आँखों की जांच, ऑपरेशन, दवाइयां, और बाद की देखभाल सभी पूरी तरह निःशुल्क होती है। इसके अलावा, तारा संस्थान अन्य प्रकार की आँखों की बीमारियों की जाँच भी मुफ्त में करता है।

तारा नेत्रालय की शाखाएं विभिन्न स्थानों पर संचालित हैं, जहां लोग बिना किसी लागत के अपनी आँखों का इलाज करा सकते हैं। जैसे की उदयपुर और फरीदाबाद में ये सुविधा पूरी तरह निरूशुल्क है परन्तु दिल्ली, मुंबई और लोनी (गाज़ियाबाद) में तारा नेत्रालय चैरिटेबल है।

उसी राह में अग्रसर होते हुए तारा संस्थान ने कई नेत्रालयो की भी स्थापना की है, जिनमे से निम्न हैं :

''दृष्टि की नई राह - तारा नेत्रालय''

तारा संस्थान द्वारा संचालित नेत्र चिकित्सालय ''तारा नेत्रालय'' इकाईयों में प्रदत्त निःशुल्क सेवाएं :

- नेत्र रोगियों की निःशुल्क जाँच तथा आधुनिक तकनीक (फेको) द्वारा मोतियाबिन्द के ऑपरेशन।
- लेज़र से झिल्ली का ऑपरेशन।
- उदयपुर के आसपास आदिवासी क्षेत्रों में, दिल्ली, मुंबई, फ़रीदाबाद व लोनी (गाज़ियाबाद) की गरीब बस्तियों में नेत्र शिविर में चश्मा व दवाई वितरण तथा मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयन।
- घर जैसी सुविधायुक्त आनंद वृद्धाश्रम, बेसहारा अकेले वृद्धजनों के लिए (वर्तमान में 296 वृद्धजन)।
- गौरी योजना के तहत 71 विधवा महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रू. पेंशन।
- तृप्ति योजना के अंतर्गत 83 गरीब ग्रामीण बुजुर्गो को घर पर मासिक राशन व 300 रू. कैश।
- श्री शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर (कुल विद्यार्थियों की सँख्या – 163)।

तारा संस्थान के निःशुल्क नेत्र चिकित्सालय

तारा नेत्रालय, उदयपुर 06 अक्टूबर, 2011 से संचालित कुल ओ.पी.डी. : 783925 कुल ऑपरेशन : 55485 चश्में वितरण : 80182 दवाई वितरण : 166984 शिविर संख्या : 1939	तारा नेत्रालय, दिल्ली 24 अक्टूबर, 2012 से संचालित कुल ओ.पी.डी. : 783925 कुल ऑपरेशन : 55485 चश्में वितरण : 80182 दवाई वितरण : 166984 शिविर संख्या : 1939	तारा नेत्रालय, मुम्बई 13 अक्टूबर, 2013 से संचालित कुल ओ.पी.डी. : 783925 कुल ऑपरेशन : 55485 चश्में वितरण : 80182 दवाई वितरण : 166984 शिविर संख्या : 1939
तारा नेत्रालय, फरीदाबाद 16 सितम्बर, 2016 से संचालित कुल ओ.पी.डी. : 783925 कुल ऑपरेशन : 55485 चश्में वितरण : 80182 दवाई वितरण : 166984 शिविर संख्या : 1939	तारा नेत्रालय, लोनी (गाजियाबाद) 28 जुलाई, 2019 से संचालित कुल ओ.पी.डी. : 783925 कुल ऑपरेशन : 55485 चश्में वितरण : 80182 दवाई वितरण : 166984 शिविर संख्या : 1939	**कुल ओ.पी.डी : 3112297** **कुल ऑपरेशन : 161119** **चश्मे वितरण : 607382** **दवाई वितरण : 964693** **शिविर संख्या : 4562**

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन) : 17 ऑपरेशन 59500 रु., 09 ऑपरेशन 31500 रु., 06 ऑपरेशन 21000 रु., 03 ऑपरेशन 10500 रु., 01 ऑपरेशन 3500 रु.

शिक्षा – एक मौलिक अधिकार

शिक्षा, जो की हमारा एक भारतीय मौलिक अधिकार है। आज इसी बारें में, मैं आपसे कुछ बात करना चाहती हूँ। तारा संस्थान द्वारा संचालित शिखर भार्गव स्कूल, जो कि एक सामान्य विद्यालय की तरह कार्य करता है, को श्री एन.पी.भार्गव ने अपने प्रिय बेटे शिखर भार्गव जी की याद में स्थापित किया था। यह स्कूल न केवल शिक्षा का एक केंद्र है, बल्कि समाज में एक महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहा है। स्व. श्री शिखर भार्गव की अकस्मात मृत्यु के बाद उनके पिता ने अपने बेटे की याद को जीवित रखने के लिए इस स्कूल की स्थापना की, ताकि उनके आदर्शों और मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों में फैलाया जा सके।

शिखर भार्गव स्कूल, अन्य सामान्य स्कूलों की तरह ही विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करता है, लेकिन इस स्कूल की कुछ विशेषताएँ इसे अन्य विद्यालयों से अलग बनाती हैं। प्रत्येक वर्ष, 22 दिसंबर को, स्व. श्री शिखर भार्गव जी के जन्मदिन के दिन इस विद्यालय में एक वार्षिकोत्सव (Annual Function) का आयोजन किया जाता है, जिसमें न केवल बच्चों की प्रतिभाओं का प्रदर्शन होता है, बल्कि स्कूल की सामाजिक जिम्मेदारी और उसके मिशन को भी बढ़ावा दिया जाता है।

इस स्कूल की एक और खास बात यह है कि यह उन सभी विधवा महिलाओं के बच्चों को भी शिक्षा प्रदान करता है, जो की अपने बच्चों को पढ़ा लिखाकर देश के विकास के योगदान में अपने बच्चों को अग्रणी रखना चाहती हैं तथा उन सभी कमज़ोर वर्ग के बच्चों को भी शिक्षा देता हैं जो पढ़ना तो चाहते हैं परन्तु अपनी आर्थिक स्थिति के कारण स्कूल नहीं जा पाते हैं। इस योजना का उद्देश्य उन बच्चों को शिक्षा देना है, जिनके पास स्कूल की फीस देने की क्षमता नहीं है।

इस स्कूल की स्थापना श्री एन.पी. भार्गव जी ने अपने बेटे श्री शिखर भार्गव की याद में की, जिनका निधन एक दुखद घटना थी। बेटे की याद में एक ऐसी शिक्षा संस्था की स्थापना करना, जो समाज के हर वर्ग के बच्चों को समान अवसर दे, यह एक महान कार्य है।

हर साल 22 दिसंबर को स्व. श्री शिखर भार्गव के जन्मदिन के अवसर पर इस स्कूल में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाता है। यह दिन न केवल उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने का होता है, बल्कि बच्चों की मेहनत और कड़े संघर्ष को सम्मानित करने का भी अवसर होता है। इस दिन स्कूल में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल, और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जिसमें सभी छात्र–छात्राएं भाग लेते हैं और अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करते हैं।

''शिखर भार्गव स्कूल'' का यह पहल हमारे समाज को यह संदेश देता है कि शिक्षा सभी का अधिकार है, और यह तभी संभव है जब हम इसे सब तक पहुंचाने के लिए कार्य करें।

शिक्षा से ही अच्छे भविष्य का निर्माण किया जा सकता है।

''वृद्धाश्रम'' नहीं अब ये हमारा ''घर'' है

अजित सिंह जी : यह लुधियाना, पंजाब के रहने वाले है। इनकी अपने पत्नी और बच्चों से बिलकुल नहीं बनती थी। रोज लड़ाई – झगड़े बढ़ते जा रहे थे। एक दिन इनकी (अजित जी) बहन इनके घर रहने के लिए आयी तब अजित जी के प्रति उनके परिवार का व्यवहार देखकर उनकी बहन ने उन्हें अपने साथ अपने घर ले जाने के बारे में सोचा मगर अजित जी बहन पर बोझ नहीं बनना चाहते थे, और उनकी बहन उन्हें ऐसे तनाव में छोड़कर नहीं जाना चाहती थी। तब उन्होंने सोशल मीडिया पर तारा संस्थान के वृद्धाश्रम के बारे में देखा। तब उन्होंने अजित जी को आश्रम में रहने की सलाह दी, बहन की बात को मानकर वह यहाँ रहने आ गए।

गुलशन कुमार जी : यह रोहतक, हरियाणा के निवासी हैं। गुलशन जी अपने परिवार वालों से बहुत परेशान हो चुके थे। आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से रोज़ पत्नी से झगड़े बढ़ते जा रहे थे। जिसके चलते वह मानसिक तनाव में रहने लगे। फिर एक दिन इन्होने सोशल मीडिया पर तारा संस्थान के वृद्धाश्रम के बारे में देखा और आश्रम में आकर रहने का फैसला किया।

मंगला राम जी चौधरी : मंगला राम जी पुष्कर के किसी आश्रम में रहते थे। उस आश्रम में इनसे कोई भी अच्छा व्यवहार नहीं करता था। ना तो अच्छा खाना मिलता था और नाही सोने की अच्छी व्यवस्था थी। एक दिन जब यह अपनी दवाइयां लेने बाजार गए तो वहां इनकी मुलाक़ात एक वृद्ध पुरुष से हुई जो की उदयपुर के रहने वाले थे। उन्होंने मंगला राम जी को तारा संस्थान के वृद्धाश्रम के बारे बताया। तो उन्हीं के संपर्क से मंगला राम जी तारा संस्थान के वृद्धाश्रम में आकर रहने लगे।

सुशीला जी लोढ़ा : इनके पति के स्वर्गवास के बाद कोई संतान ना होने की वजह से सुशीला जी बिलकुल अकेली हो गयी थी। इनके पीहर में भी कोई ऐसा नहीं था जो की सुशीला जी के साथ रहकर उनकी देखरेख कर सके। बीमारी की वजह से इनकी आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं थी, एक दिन टी.वी. में इन्होंने आस्था चैनल पर तारा संस्थान के वृद्धाश्रम के बारे में देखा और फ़ोन पर संस्थान में कैसे आकर रहा जा सकता है, इस बारे में जानकारी ली। घर जैसी सुविधाओँ के बारे में जानकर सुशीला जी ने तारा संस्थान में रहने का फैसला लिया।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन
4000 रु. (एक समय / प्रतियूनिट)

''मस्ती की पाठशाला - एक अनूठा प्रयास''

हमारा देश जो की विविधताओं से परिपूर्ण है, और जो समाज की प्रगति का मुख्य आधार माना गया है, वह है **"शिक्षा"**

प्राचीनकाल का जो समय था उस समय की तीन मुख्य ज़रूरतें थीं, जैसे – रोटी,कपड़ा और मकान, परन्तु आज के समय में रोटी, कपड़ा और मकान के साथ साथ शिक्षा भी मूलभूत आवश्यकताओं में शामिल है। इसी की और अग्रसर बढ़ते हुए तारा संस्थान ने एक अद्वितीय पहल की है जिसे "मस्ती की पाठशाला" नाम दिया गया है। इसका उद्देश्य शिक्षा को रोचक, मजेदार और बच्चों के लिए प्रेरणादायक बनाना है। इस पहल के अंतर्गत, संस्थान उन बच्चों को शिक्षा प्रदान करता है जो आर्थिक, सामाजिक या अन्य कारणों से औपचारिक शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। मस्ती की पाठशाला का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे। पारंपरिक पाठशालाओं के विपरीत, यह कार्यक्रम खेल, कला, संगीत और कहानी कहने जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई के प्रति आकर्षित करता है।

मस्ती की पाठशाला से जुड़ने के बाद कई बच्चों ने औपचारिक शिक्षा प्रणाली में प्रवेश किया है और जीवन में आगे बढ़ने की दिशा में कदम उठाए हैं। यह पहल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाती है और उनके सपनों को पंख देती है।

''मस्ती की पाठशाला'' का उद्देश्य शिक्षा को आनंदमय और हर बच्चे के लिए सुलभ बनाना है। तारा संस्थान का मानना है कि शिक्षा का अधिकार हर बच्चे का मौलिक अधिकार है और इसे किसी भी परिस्थिति में उनसे छीना नहीं जाना चाहिए।

तारा संस्थान द्वारा जो यह मुहीम चलायी गयी है, इसने बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में बहुत ही सहायता की है द्य यहाँ नियमित तौर पर शिक्षा प्रदान करने के साथ साथ कई सारी गतिविधियां भी कराई जाती है। स्पष्ट रूप से कहूँ तो यहाँ का मूल उद्देश्य बच्चों में शिक्षा के साथ साथ संस्कारो का भी विकास करना है। यहाँ सभी प्रकार के त्यौहार मनाये जाते हैं तथा बच्चो को भी जानकारी दी जाती है ताकि बच्चों को अपनी धरोहर का पूरा ज्ञान हो। "मस्ती की पाठशाला" को चलाने के लिए तारा संस्थान को समाज के विभिन्न वर्गों से समर्थन मिलता है। यदि आप भी इस प्रयास में योगदान देना चाहते हैं, तो आप वित्तीय मदद, किताबें, या अन्य शैक्षिक सामग्री प्रदान कर सकते हैं। यदि आप भी समाज में शिक्षा का उजाला फैलाना चाहते हैं, तो ''मस्ती की पाठशाला'' का हिस्सा बनें और बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने में सहयोग करें।

मजदूरों के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 6000/- प्रति वर्ष

तृप्ति योजना - हर थाली में भोजन

आपने लोगों को अक्सर कहते हुए सुना होगा की यार "पापी पेट के लिए करना पड़ता है" अब ये सोचने वाली बात है की पेट को पापी क्यों कहा गया है। मेरा ये मानना है की जब भूख अपनी चरम सीमा पर होती है तब वह उम्र नहीं देखती द्य कोई छोटा बच्चा हो, वयस्क हो या बुजुर्ग हो, भूख लगने पर एक तड़प की आह सी निकलती है और ऐसा लगता की काश कोई चमत्कार हो जाये और कही से भी एक बार खाना मिल जाये। तो चलिए तारा संस्थान की एक और अनोखी पहल की सराहना करते हुए में आपको ये बताना चाहती हूँ की तारा संस्थान द्वारा संचालित तृप्ति योजना, जिसका उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सहायता प्रदान करना है।

तृप्ति योजना का मुख्य उद्देश्य उन परिवारों को सहारा देना है जो आर्थिक कठिनाइयों के कारण अपने दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ हैं। यह योजना न केवल उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करती है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित भी करती है। इस योजना के तहत, जरुरतमंद परिवारों को हर महीने 8 तारीख को उनके बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए राशन और नकद सहायता दी जाती है। योजना के अंतर्गत हर महीने लाभार्थियों को उनके दैनिक उपभोग के लिए आवश्यक राशन दिया जाता है। इसमें आटा, चावल, दाल, तेल और अन्य जरूरी सामग्री शामिल होती है। राशन के अलावा, प्रत्येक लाभार्थी परिवार को 300 रुपये की नकद सहायता दी जाती है। यह राशि उनके अन्य आवश्यक खर्चों को पूरा करने में मदद करती है। तृप्ति योजना ने कई परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। यह पहल न केवल आर्थिक मदद प्रदान करती है, बल्कि समाज में मानवीयता और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देती है। तारा संस्थान की यह अनूठी पहल समाज के कमजोर वर्गों के लिए एक आशा की किरण है। तृप्ति योजना जरूरतमंदों को उनके कठिन समय में सहारा देकर, उनके जीवन में बदलाव लाने का कार्य कर रही है। यह पहल अन्य संगठनों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन सकती है।

तारा संस्थान की और से एक छोटी सी अपील – तारा संस्थान समाज के सक्षम लोगों से अपील करती है कि वे इस तरह की योजनाओं में योगदान देकर जरूरतमंदों की मदद करें। आपकी छोटी–सी मदद किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है।

इस योजना के कई सारे लाभार्थी भी रहे जो अपने सच्चे दिल से तारा संस्थान की प्रगति चाहते हैं ताकि तारा संस्थान अपने इस प्रयास में निरंतर सफल बनी रहे। आइए, साथ मिलकर एक ऐसा समाज बनाएं, जहां कोई भूखा न सोए क्योकि जरूरतमंदों की सेवा ही सच्ची मानवता है।

अन्नदान योजना (तृप्ति) प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता : 01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

आशाओं को आकार देती है, सपनों को साकार करती है ''मानवता''।

एक पहल – नारी सशक्तिकरण की ओर (गौरी योजना)

नमस्कार ! आज हमारे बातचीत का मुख्य विषय है नारी सशक्तिकरण। चलिए में आपको एक उदाहरण देकर समझाती हूँ। जैसे पौधे को बड़ा करने व हरा भरा रखने के लिए उसकी जड़ को खूब सारा खाद और पानी देने की ज़रुरत पड़ती है उसी प्रकार हमारे समाजरूपी पौधे को हरा भरा बनाएं रखने के लिए उसकी जड़ को सम्मानरुपी खाद व सशक्तिकरणरुपी पानी देने की आवश्यकता पड़ती है। हमारी इतनी बातचीत के बाद तो आप जान ही गए होंगे की मैं आपसे क्या कहना चाह रही हूँ।

जी हाँ, बिलकुल सही सोचा आपने, मैं आज आपसे महिलाओं के सशक्तिकरण के विषय में कुछ कहना चाहती हूँ। भारत में महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के उद्देश्य से तारा संस्थान ने "गौरी योजना" की शुरुआत की है। इस ब्लॉग में, हम गौरी योजना के उद्देश्यों, लाभों और इसकी सफलता की कहानियों पर चर्चा करेंगे। गौरी योजना का मुख्य उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों की महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक दृष्टिकोण से सशक्त बनाना है। गौरी योजना नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह योजना महिलाओं को उनके अधिकारों और अवसरों से अवगत कराकर उनके जीवन को बेहतर बनाने में मदद करती है। तारा संस्थान की यह पहल समाज में सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है और यह उम्मीद जगाती है कि महिलाएं भी हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकती हैं।

''जब नारी सशक्त होगी, तभी समाज सशक्त होगा।''

हमारे समाज में महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाने और उन्हें समान अवसर देने की आवश्यकता हमेशा महसूस की जाती रही है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए तारा संस्थान ने गौरी योजना की शुरुआत की है।"गौरी योजना", जो विशेष रूप से विधवा महिलाओं और उनके बच्चों की मदद के लिए चलाई जा रही है। इस योजना के अंतर्गत संस्थान न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करता है, बल्कि बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी भी उठाता है। गौरी योजना का मुख्य उद्देश्य उन महिलाओं को सहारा देना है, जिन्होंने किसी कारणवश अपने पति को खो दिया है और अपने बच्चों के साथ अकेले संघर्ष कर रही हैं। यह योजना उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने और उनके बच्चों को एक उज्ज्वल भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध है।

गौरी योजना के तहत तारा संस्थान विधवा महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करता है। यह सहायता उन्हें जीवन की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करती है और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करती है। विधवा महिलाओं के बच्चों को शिखर भार्गव स्कूल में मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाती है। यह शिक्षा न केवल बच्चों के शैक्षिक विकास में मदद करती है, बल्कि उन्हें समाज में आत्मविश्वास के साथ अपनी पहचान बनाने का मौका देती है।

तारा संस्थान द्वारा इस योजना की कई महिलाएं लाभार्थी भी रही हैं, जिनमे से एक हैं – निर्मला कुँवर। जो की लोगो के घरो में झाड़ू पोछा करके अपना जीवन व्ययतीत कर रही थी और अपने बच्चों को बहुत ही संघर्ष के साथ पाल रही थी परन्तु तारा संसथान के सहयोग से इन्हे काफी मदद मिली है तथा बच्चे के भविष्य की चिंता से मुक्त हुई है। उनसे बातचीत के दौरान उनका आत्मविश्वास देखने लायक था।

''महिला सशक्तिकरण के बिना समाज का विकास अधूरा है।''

गौरी योजना से जुड़ने के लिए आप तारा संस्थान की अधिकारिक वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा, संस्थान के स्थानीय केंद्रों पर जाकर योजना की जानकारी प्राप्त कर सकते है।

विधवा मासिक पेंशन (गौरी) योजना सहायता : प्रति विधवा 01 वर्ष – 12000 रु., 06 माह – 6000 रु., 01 माह – 1000 रु.

News in Brief : 1

13-09-2024 | **आई.आई.एम. के स्टुडेंट्स का आश्रमवासियों से मिलना हुआ**

आईआईएम के छात्रों का माँ द्रौपदी वृद्धाश्रम में आना एक भावुक और यादगार पल बन गया। उन्होंने वृद्ध लोगों के साथ समय बिताया, उनकी बातों को ध्यान से सुना और उनके चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश की। आईआईएम के छात्रों ने सिर्फ ज्ञान और सफलता के बारे में नहीं सोचा, बल्कि संवेदना और इंसानियत के असली अर्थ को भी समझा। ये दिन उन्होंने अपने जीवन का सबसे अनमोल अनुभव माना।

15-09-2024 | **स्नेह मिलन समारोह**

तारा नेत्रालय, फरीदाबाद के 8 वर्ष पूर्ण होने पर संगीतमय स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह, पुलिया नं. 3 एन.आई.टी फरीदाबाद में आयोजित किया गया।

16-09-2024 | **वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह**

सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसायटी (रजि.) सेक्टर 8, फरीदाबाद एवं तारा संस्थान, उदयपुर ने मिलकर ऐसे वरिष्ठ नागरिकों का हर्षोल्लास के साथ सम्मान किया, जो 65 वर्ष की उम्र पार कर चुके है।

22-09-2024 | **स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह**

तारा संस्थान, उदयपुर के साधक / साधिका द्वारा स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन जोधपुर में गया, जहाँ 70 अतिथि पधारे।

01-10-2024 | **अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन समारोह**

यह दिन माँ द्रौपदी वृद्धाश्रम के लिए एक यादगार अवसर बन गया, जहां बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी और संतोष की झलक दिखाई दी। इस आयोजन में न केवल वृद्धजनों को सम्मानित किया, बल्कि समाज में उनकी महत्ता और योगदान को भी रेखांकित किया। यह समारोह एक संदेश था कि हर उम्र का अपना महत्व होता है, और वृद्धजनों को समाज में सम्मान और प्यार मिलना चाहिए।

चीजें तब तक ही मुश्किल होती है, जब तक हमारा ध्यान लक्ष्य पर नहीं होता।

09-10-2024 **रोशनी – बच्चों के लिए नेत्र शिविर का आयोजन**

रौशनी नामक एक विशेष नेत्र शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों की आँखों की जांच की गई और उन्हें निशुल्क चश्मे वितरित किए गए। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों में दृष्टि सम्बन्धी समस्याओं का पता लगाना और उनका समाधान करना था।

शिविर में बच्चों की आँखों का विस्तार से परीक्षण किया गया और जिन बच्चों को चश्मे की आवश्यकता थी, उन्हें निःशुल्क चश्मे प्रदान किए गए। विशेषज्ञों ने बच्चों को आँखों की देखभाल के महत्व के बारे में भी जागरूक किया।

इस पहल से न केवल बच्चों की आँखों की देखभाल हुई, बल्कि उनके उज्जवल भविष्य के लिए एक नई उम्मीद भी जगी। चश्मों के वितरण के बाद बच्चों के चेहरों पर खुशी और संतोष था। रौशनी शिविर ने यह संदेश दिया कि शिक्षा और स्वस्थ दृष्टि का गहरा संबंध है, और हमें हर बच्चे को यह अवसर देना चाहिए।

रोशनी नेत्र शिविर सहयोग : 6000 रु.

22-09-2024 **वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह**

सामुदायिक केन्द्र में द बाबर रोड कॉलोनी लीज होल्डर्स एसोसिएशन, दिल्ली एवं तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

27-10-2024 **स्नेह मिलन समारोह**

इस कार्यक्रम ने एक मंच प्रदान किया जहां विभिन्न सदस्य एक साथ मिलकर दीपावली के पर्व को और भी खास बना पाएं। यह दीपावली स्नेह मिलन समारोह श्रीमती हर्ष आर्य जी के निवास स्थान (प्रेरक ऑफिस) पर आयोजित किया गया था, जो दिल्ली के सरस्वती विहार क्षेत्र में स्थित है।

12-10-2024 **रैली का प्रदर्शन करते हुए आश्रमवासी**

तारा संस्थान द्वारा आयोजित रेली में संस्था ने शानदार प्रदर्शन किया और पहले स्थान पर अपनी स्थिति बनाई। इस रैली में तारा संस्थान के सदस्यों ने एकजुटता, साहस और उत्साह से भाग लिया, जो उनकी मेहनत और समर्पण को दर्शाता है। इस सफलता के साथ तारा संस्थान ने न केवल अपनी उत्कृष्टता साबित की, बल्कि सामाजिक गतिविधियों में अपनी मजबूत उपस्थिति भी दर्ज की। उनकी जीत ने यह साबित किया कि जब सभी मिलकर मेहनत करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य प्राप्त करना असंभव नहीं होता।

07-09-2024 **गणपति स्थापना**

माँ द्रौपदी देवी आनंद वृद्धाश्रम, सेक्टर 14 में गणपति स्थापना की गई। इस पवित्र अवसर पर वृद्धाश्रमवासियों ने गणेश जी की पूजा अर्चना की और उनके आशीर्वाद से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। यह एक अत्यंत भावुक और आध्यात्मिक क्षण था, जिसमें वृद्धाश्रमवासियों को भगवान गणेश के आशीर्वाद से एक नई उम्मीद और ऊर्जा मिली।

31-10-2024 **राजकीय वृद्धाश्रम – बलीचा**

बलीचा आश्रम में दीपावली उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस खास मौके पर आश्रमवासियों ने मिलकर दीप जलाए, मिठाइयाँ बांटी और परस्पर खुशियाँ साझा की। दीपावली का यह पर्व सभी के दिलों में आशा और खुशी लेकर आया, और आश्रमवासियों ने एकजुट होकर इस विशेष दिन को आनंद और उल्लास के साथ मनाया।

12-10-2024 **दशहरा – राजकीय वृद्धाश्रम – बलीचा**

इस बार आश्रम में दशहरा धूमधाम से मनाया गया। इस विशेष दिन पर आश्रमवासियों ने रावण दहन की परंपरा का पालन करते हुए बुराई के प्रतीक रावण का पुतला जलाया। सभी ने मिलकर इस पर्व का आनंद लिया और अच्छाई की विजय पर खुशी व्यक्त की। आश्रमवासियों ने मिलकर एकजुटता और उत्साह से दशहरा मनाया, जिससे वातावरण में सकारात्मकता और आशा का संचार हुआ।

11-10-2024 **मस्ती की पाठशाला कन्या पूजन**

मस्ती की पाठशाला में बच्चों ने ''कन्या पूजन'' बड़े श्रद्धा भाव से किया। इस विशेष अवसर पर बच्चों ने कन्या पूजन की पारंपरिक विधि का पालन करते हुए उन्हें पूजन सामग्री अर्पित की और उनका सम्मान किया। इस आयोजन ने बच्चों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ते हुए उन्हें नारी सम्मान का महत्व सिखाया।

कुछ कदम खुशी और उत्साह की ओर।

नेत्रालय मासिक अपडेट्स :

मोतियाबिन्द जाँच – ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी (गाजियाबाद) स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह सितम्बर से अक्टूबर 2024 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर : चेतना भारत – अहमदाबाद (गुजरात), डी.बी.सी.एस., नव भारत बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड – उदयपुर (राज.), एसबीआई फाउंडेशन, श्री संजय गुप्ता एवं श्रीमती कमलेश जी गुप्ता – दिल्ली, ईसीजीसी, सतगुरु हुजूर महाराज, रमणीक लाल जी सोनी, रणजीत सिंह जी, जाकिर दीवान, सुखेन्द्र बंसल, मालाश्री फाउंडेशन, भार्गव साहब

पुण्यतिथि भोजन सेवा योजना : 8000 रुपये

तारा संस्थान, उदयपुर की यह विशेष पहल उन परिवारों के लिए समर्पित है जो अपने दिवंगत परिजनों की पुण्यतिथि पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहते हैं। इस योजना के अंतर्गत, परिवारजन 8,000 रुपये का योगदान देकर संस्थान के वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों के लिए भोजन सेवा का आयोजन कर सकते हैं। इस पावन अवसर पर दिवंगत आत्मा की तस्वीर प्रदर्शित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाएंगे, जिससे उनकी यादें और आशीर्वाद इस कार्य के माध्यम से जीवित रहेंगी। यह एक अद्वितीय अवसर है अपने प्रियजन की स्मृति को सेवा और मानवता के रूप में सम्मानित करने का।

हार्दिक श्रद्धांजलि

तारा संस्थान के इन दानदाताओं का स्वर्गवास हो गया। तारा संस्थान की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि।
हम प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति व उनके परिवार को सम्बल प्रदान करें।

स्व. श्रीमती रुक्मिणी देवी जी
वलसाड (गुज.)

स्व. श्री पवन बब्बर जी
दिल्ली

स्व. श्रीमती नर्मदा देवी जी टांक

स्व. श्री जयनारायण जी टांक

स्व. श्री गुरमीत सिंह जी सैनी
चण्डीगढ़

स्व. श्रीमती राज दुलारी जी शर्मा
दिल्ली

आदरणीय,

आपने वित्तीय वर्ष 2024–2025 में तारा संस्थान में दान देकर कई जरूरतमंद व्यक्तियों को राहत पहुँचाई। आपका अनेक धन्यवाद। अतः आपसे निवेदन है कि INCOME TAX के नियमानुसार यदि आप TAX में छूट चाहते हैं तो आपका PAN NO. संस्थान को देना जरूरी है। इसे हम अपने INCOME TAX RETURN के 10 BD में सूचित करेंगे तो ही आपको छूट मिलेगी। यदि आप छूट ना भी लेना चाहें तो आप निम्न में से कोई भी ID दे देवें।

● VOTER ID ● AADHAR CARD ● RASHAN CARD ● PASSPORT ●

यह भारत सरकार के नियमानुसार अनिवार्य है। कृपया आप इस व्हाट्सएप्प नम्बर **9549399993** पर सूचित करावें।

आदर सहित....!

कल्पना गोयल

'तारा परिवार का सौभाग्य है कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया'

डॉ. नमिता जैन	श्री मांगीलाल सोनी	श्री हरिश चन्द्र माथुर	श्री कौशल किशोर बाजपेई	श्री हनुमान सिंह मेड़तिया	श्री विनोद कुमार त्रिवेदी	श्री योगेन्द्र सिंह मालिक	श्रीमती कमला काला
लखनऊ	जोधपुर	जोधपुर	कानपुर	जोधपुर	कानपुर	मेरठ	जयपुर

श्री यशपाल जी	श्री बाबूलाल जैन	श्री अशोक कुमार गौतम	श्रीमती गीता देवी अग्रवाल	श्रीमती कुसुम देवी अग्रवाल	श्री प्रेम चन्द्र वर्मा	श्रीमती राज गर्ग	श्री जी.के. बजाज
	जयपुर	जयपुर	गौरेल्ला छ.ग.	गौरेल्ला छ.ग.	प्रयागराज	अम्बाला (हरि.)	अम्बाला (हरि.)

श्री अशोक टीना	श्री प्रमोद कुमार जैन	श्री रामकल्याण सुमन	श्री सुरेन्द्र कुमार कठपाल	श्री प्रेमचन्द जैन	श्रीमती सुनीता जैन	श्री सुरेश जी	श्री हरस्वरूप यादव
अम्बाला (हरि.)	मेरठ	सेमलिया (राज.)	कोटा	गाजियाबाद	गोहाना (हरि.)	सोनीपत	सोनीपत

श्रीमती किशोरी हेमचन्द	रेखा किड्स वीयर	श्री पारसमल डोसी	श्रीमती सरस्वती चन्द्रा	श्री रमेश चन्द्र माथुर	श्री मदन सिंह देवल	श्री नन्द कुमार वर्मा	श्री गजानन्द संगी
असर, मुम्बई	मुम्बई	जोधपुर	जोधपुर	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	हैदराबाद

श्री चुन्नीलाल माली	श्री रामेश्वर लाल जी	श्री प्रहलाद राय शर्मा	श्री सुनील शर्मा	श्री प्रताप खाटूजा	श्री मनीष जी	श्री अंकित जी	श्री शिव रतन लाल गुप्ता
मुम्बई	धींगपुर (राज.)	खाटूश्यामजी, जयपुर	जयपुर	रायपुर	जबलपुर	जबलपुर	लखनऊ

श्री जी.के. श्रीवास्तव	कुमारी रंजना मालवीय	वीना बापट	श्री सम्पतराज माडोत	श्री जवाहर लाल	श्री अशोक कुमार गुप्ता	श्री जगमंदिर दास जैन	श्री आर्या जैन पुत्री
लखनऊ	प्रयागराज	प्रयागराज	बैंगलोर	दिल्ली	जयपुर	दिल्ली	श्री अजय जैन, जयपुर

श्री एम.सी. अग्रवाल	मीनाक्षी इलेक्ट्रिकल्स	श्री सखाराम प्रजापति	श्री रमेश जी	श्री हरिश चन्द्र जी	श्री अमरनाथ जी	श्री रतनलाल भांगड़िया	श्री नवनीत शर्मा
दिल्ली	बैंगलोर	बैंगलोर	मैसूर	लखनऊ	लुधियाना	हैदराबाद	जलांधर

'तारा परिवार का सौभाग्य है कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया'

श्रीमती भारती गोयल, हैदराबाद
श्री पीयूष कुमार पाठक, प्रयागराज
श्रीमती हिरावती मिश्रा, मुम्बई
श्री कमल सिंह जी, मुम्बई
श्रीमती जानकी देवी, लुधियाना (पंजाब)
श्री सुरेन्द्र जायसवाल, हैदराबाद
श्री गिरिराज किशोर गोविल, जोधपुर
श्रीमती शांति देवी, यमुना नगर (हरि.)

श्री शक्ति सिंह जसवाल, उना (हि.प्र.)
श्री गौतम जी मुरारका
श्रीमती विमला काले, मुम्बई
श्री श्याम सेवक श्रीवास्तव, प्रयागराज
श्री कमल दीप आनन्द, दिल्ली
श्री अजय सिसोदिया, हैदराबाद
श्री सुरेश मेहता, बैंगलोर
श्रीमती नीरु अग्रवाल, गाजियाबाद

श्री हनुमान उपाध्याय, प्रयागराज
श्री दिलीप लाहोटी, रायपुर
श्रीमती ज्ञान गहलोत, जयपुर
श्रीमती नर्बदा मंगला, गुरुगाँव
किमायरा खण्डेलवाल, जयपुर
श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता, कोटा
श्रीमती उषा चुघ, दिल्ली
श्री राजेन्द्र सक्सेना, जयपुर

श्री सुरेश कुमार जैन, मालपुरा (राज.)
श्री अशोक भाई, राजकोट
श्रीमती कुसुमलता अग्रवाल, जयपुर
जयपुर
श्री राजेन्द्र सिंह चौहान, जोधपुर
श्री निलेश भाई तोमर, राजकोट
श्री इन्द्र चन्द, दिल्ली
श्री त्रिलोकी नारायण मिश्रा, दिल्ली

श्रीमती अंजू शर्मा, दिल्ली
श्री सुभाष गुप्ता, गाजियाबाद (उ.प्र.)
श्री जिनेन्द्र जैन, दिल्ली
श्रीमती सावित्री देवी लालवानी, जयपुर
श्रीमती हेमलता मिश्रा, जयपुर
श्री भगवान सिंह देवड़ा, जयपुर
डॉ. परमानन्द भार्गव, जयपुर
श्री किशोर भाई, राजकोट (गुज.)

श्री विजय कुमार जी, जबलपुर
श्री राजेश भाई, राजकोट (गुज.)
श्रीमती कमला देवी खांडल, जयपुर
श्री हर्ष जैन, जयपुर
श्री लक्ष्मण सिंह राठौड़
श्रीमती मुक्तता गोयल, जयपुर
श्री बलदेव राज तनेजा, जयपुर
श्री राजपाल तंवर, जयपुर

श्री राजेन्द्र कुमार जैन, जयपुर
श्री सुरेश चन्द्र साहनी, जयपुर
श्रीमती श्रुति सिंघल, जयपुर
डॉ. महेश पवार, जोधपुर
श्री शम्भू सिंह जी
श्री सतपाल गोयल, पटियाला
श्री रामशंकर जी, लखनऊ
श्री बाबू लाल कटोदिया, दिल्ली

‘तारा परिवार का सौभाग्य है कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया’

श्रीमती एवं श्री किशन लाल कोठारी
बैंगलोर

श्री रघुवर दयाल शर्मा - श्रीमती धर्म शर्मा
गाजियाबाद

श्री रघुनाथ प्रसाद वर्मा एवं श्री राम प्रकाश
अग्निहोत्री, नोएडा

श्री राम प्रकाश अग्निहोत्री - श्रीमती नर्मदा
अग्निहोत्री, नोएडा

श्री सतपाल गोयल एवं श्री राजेश खन्ना
पटियाला (पंजाब)

श्री संदीप शर्मा एवं श्री राजीव वत्स
गुरुग्राम (हरि.)

श्रीमती अनिता जी एवं श्रीमती आशा अरोड़ा
दिल्ली

श्रीमती सुमनलता - श्री मनमोहन कृष्ण जी
दिल्ली

श्रीमती कमलेश कुमारी - श्री अरुण कुमार शर्मा
जयपुर

हरिद्वार फेरूपुर

श्रीमती पुष्पा कुमारी - श्री जगदीश लाल अरोड़ा
दिल्ली

श्रीमती रेणु जी - श्री हेमराज वर्मा
दिल्ली

श्री चन्द्र सिंह तंवर - श्रीमती सुशीला तंवर
जयपुर (राज.)

श्री जे.के. रस्तोगी
कोटा (राज.)

श्रीमती रमेश कुमारी - श्री सतीश चन्द्र भगत
जलांधर (पंजाब)

डॉ. अश्वनी कुमार - श्रीमती गुलशन वर्मा
पटियाला (पंजाब)

श्रीमती प्रकाशी देवी - श्री अरुण कुमार शर्मा
बृजपुरी, दिल्ली

श्री एवं श्रीमती मधू श्रीवास्तव
जोधपुर

श्री आर.सी. कोहली एवं श्री ध्रुव कोहली
दिल्ली

श्री सत्य प्रकाश माताश्री श्रीमती चन्दा देवी अग्रवाल
जयपुर

श्रीमती दीपा मनराल - श्री दिलीप सिंह मनराल
एवं परिवार, दिल्ली

सतवन्ती सराय वाला ग्रुप

श्री आनन्द कुमार
लखनऊ

श्री देवेन्द्र नाथ भार्गव
बैंगलोर

श्रीमती रानी गोयल - श्री नरेश गोयल
रोहिणी, दिल्ली

श्री भारत भूषण अग्रवाल एवं परिवार
जयपुर

श्रीमती रवि बाला - श्री राम अवतार अग्रवाल
एवं परिवार

श्री एस. एल. रैना - श्रीमती शीला रैना
नोएडा

श्रीमती विद्या देवी - श्री प्रेम सिंह सैनी
रूड़की (उख.)

श्री प्रभु दत्त जी - श्रीमती सुषमा जी
रूड़की (उख.)

डॉ. रामसब त्रिपाठी - श्रीमती सावित्री त्रिपाठी
जयपुर

गायत्री भजन मण्डली
देहरादून

श्री जगदीश प्रसाद जी - श्रीमती जानकी जी
माहेश्वरी, जयपुर

श्रीमती एवं श्री जगदीश सिंह माथुर
कराला, दिल्ली

श्री एम.एल. राजपूत एवं
श्री श्याम बिहारी भारद्वाज

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS CONTACT NUMBER LIST

Area Delhi Cell : 7821855747	**Area Delhi** Cell : 7821055717	**Area Delhi** Cell : 7821855741
Area Mumbai Cell : 7821855738	**Area Mumbai** Cell : 7821855751	**Area Jaipur (Raj.)** Cell : 9983560006
Area Lucknow (UP) Cell : 9358300777	**Area Punjab** Cell : 7821055718	**Area Jodhpur, Kanpur** Cell : 9001324709
Area Surat (Guj.) Cell : 7821855726	**Area Hyderabad** Cell : 7821855746	**Area Noida, Ghaziabad** Cell : 7821855750
Area Chandigarh (HR) Cell : 7821855756	**Area Nagpur, Pune** Cell : 7821855736	**Area Karnatak** Cell : 7230066286
Area Gurgaon, Faridabad Cell : 7821855758	**Area Raipur, Durg, Bilaspur (C.G.), Patna (Bihar)** Cell : 8696696345	
Area Uttarakhand Cell : 7229852227	**Area Ahmedabad (Guj.), Ratlam, Mandsaur, Neemuch (MP)** Cell : 7821855745	

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban) . . A/c No. 004501021965. . . . . . . IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India . . . . A/c No. 31840870750 . . . . IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank . . . . A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank . . . . A/c No. 912010025408491. . . IFSC Code : UTIB0000097
HDFC Bank. . . . . A/c No. 12731450000426 . . . . IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank . . . . A/c No. 0169101056462 . . . . . IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India . A/c No. 3309973967 . . . . IFSC Code : CBIN0283505
Punjab National Bank. A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : PUNB0874300
Bank of Baroda . . . . A/c No. 30250100014174 . . . . IFSC Code : BARB0HIRANM

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

Shri Sachin Bhatia Eye Hospital - Udaipur (Under Tara Sansthan)
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.)-313002, Mob. No. 7821855749

Tara Netralaya - Delhi
371, Main Najafgarh Road, Opposite Metro Pillar No. 724, Nawada, Uttam Nagar,
New Delhi-110059
Mob. No. 9560626661

Tara Netralaya - Mumbai
2nd Floor, Sneh Crown, Near Apna Ghar Phase - 3, Kala Silk, Silvar Sarita, Meera Village, Kashimira, Thane-401107 (Maharashtra)
Mob. No. 7821855748, 9529285557

Tara Netralaya - Faridabad
3 E / 12 & 13, Bungalow Plot, Pulia No. 3, Masjid Road, Near Church, Main Road, N.I.T. 3, Faridabad (HR)
Mob. No. 7821855758

Tara Netralaya - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital
Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney,
Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road,
Banthla Loni, Gaziabad-201102 (U. P.)
Mob. No. 7821855757

Smt. Krishna Sharma Anand Vruddhashram - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-Block, Udaipur-313001 (Raj.)
Mob. 7821055720

Maa Draupadi Devi Anand Vruddhashram - Udaipur
#351/352, Hiran Magri, (In the lane of Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-Block, Udaipur-313001 (Raj.)
Mob. 9773385330

Tara Sansthan Rajkiya Vruddhashram
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai Show Room, South Extension, Balicha,
Udaipur (Raj.)-313001
Mob. 7229852229

Ravindra Nath Gaur Anand Vruddhashram - Prayagraj
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town,
Prayagraj - 211002 (U.P.), Mob. 7821855755

Shikhar Bhargava Public School
H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. No. 9636016973

Mumukshu Bhawan - Varanasi
Ganga Ghat Gate No. 1, Near Neelkanth Temple, Kashi Vishvanath Corridor, Varanasi (U.P.)
Mob. No. 7230073331

Maa Godavari Anand Vruddhashram
Krishna Kunj, Nandanvan, Village - Gomachi, Raipur (C.G) 492099, Mob. No. 9001324850

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, सितम्बर - अक्टूबर 2024
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2021-2023
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग - सौजन्य राशि

सहयोग राशि

आजीवन विशिष्ठ संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 3 मोतियाबिन्द ऑपरेशन

आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन

आजीवन सदस्य 11000 रु.

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 59500 रु., 09 ऑपरेशन - 31500 रु., 06 ऑपरेशन - 21000 रु., 03 ऑपरेशन - 10500 रु., 01 ऑपरेशन - 3500 रु.

अन्नदान योजना (तृप्ति) प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री

01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

विधवा मासिक पेंशन (गौरी) प्रति विधवा

01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन

4000 रु. (एक समय / प्रतियूनिट)

पुण्यतिथि भोजन सेवा योजना

8000 रु.

मस्ती की पाठशाला

वार्षिक शिक्षा 6000 रु. एवं भोजन 3000 रु. (60 बच्चे / 1 समय)

काशी विश्वनाथ में 50 निर्धनों को भोजन दान 2100 रु.

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI BANK (MADHUBAN)
A/c No. 004501021965 IFSC Code : ICIC0000045

STATE BANK OF INDIA
A/c No. 31840870750 IFSC Code : SBIN0011406

AXIS BANK
A/c No. 912010025408491 IFSC Code : UTIB0000097

HDFC
A/c No. 12731450000426 IFSC Code : HDFC0001273

PUNJAB NATIONAL BANK
A/c No. 8743000100004834 IFSC Code : PUNB0874300

BANK OF BARODA
A/c No. 30250100014174 IFSC Code : BARB0HIRANM

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

मोबाइल से स्कैन कर हाथों हाथ सहयोग भेजें।

Paytm 9549399993
Google Pay 7821855724
PhonePe 7821855724

FOLLOW US

www.instagram.com/tarasansthan
www.facebook.com/TaraSansthan
www.youtube.com/@TaraSansthanNGO
www.x.com/sansthantara
www.linkedin.com/company/tara-sansthan

बुक पोस्ट

TARA SANSTHAN
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. नं. : +91 95493 99993, +91 96493 99993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org, Website : www.tarasansthan.org